रामधारीसिंह 'दिनकर'
जीवन परिचय

- जन्म - ३० दिसम्बर, 1908 ई०
- जन्म स्थान- सिमरिया (बिहार)
- शिक्षा - बी. ए.।
- मृत्यु - 24 अप्रैल, 1974 ई०
- लेखन विधा- निबन्ध, संस्कृति ग्रन्थ, आलोचना, काव्य ग्रंथ।
- भाषा- शुद्ध साहित्यिक, संस्कृतनिष्ठ, प्रांजल, प्रौढ़ तथा सुबोध खड़ीबोली।
- शैली- भावात्मक समीक्षात्मक सूक्ति-परक तथा विवेचनात्मक।

जीवन परिचय :-

राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर का जन्म 23 सितम्बर 1908 ई० को बिहार राज्य के मुंगेर जिले के सिमरिया नामक ग्राम में हुआ था।

इनके पिता का नाम रवि सिंह तथा माता का नाम

मनरूप देवी था। इनकी अल्पायु में ही इनके पिता का देहान्त हो गया था। इनकी प्रारम्भिक शिक्षा गाँव की पाठशाला में ही हुई।

अपने विद्यार्थी जीवन से ही इन्हें अधिक कष्ट झेलने पड़े। विद्यालय के लिए घर से पैदल दस मील रोज आना जाना इनकी विवशता थी। इन्होंने पटना विश्वविद्यालय से बी० ए० की परीक्षा उत्तीर्ण की। पारिवारिक कारणों के कारण ये आगे नहीं बढ़ सके। अतः नौकरी में लग गये।

कुछ दिनों तक इन्होंने प्र-धानाचार्य के पद पर कार्य किया तथा ये भागलपुर विश्वविद्यालय के उपकुलपति रहे और बाद में इन्होंने भागलपुर विश्वविद्यालय से ही डि० लिट० की उपाधि प्राप्त की। इन्हें पद्म भूषण की उपाधि से सम्मानित किया गया अन्त में ये एक कवि सम्मेलन में तिरुपति चले गये वहाँ रश्मिरथी का पाठ करते हुए 24 अप्रैल 1974 ई० को इनकी मृत्यु हो गयी।

प्रमुख रचनाएँ :- इनकी प्रमुख काव्य रचनाएँ निम्न हैं।

1. रेणुका
2. हुंकार
3. कुरुक्षेत्र
4. उर्वशी
5. रश्मिरथी
6. रसवन्ती
7. द्वन्द्वगीत
8. इतिहास के आँसू